Worksheet-5 Subject: - Hindi Class: - VIII Teacher: - Mrs. Meera

Name: _____________ Class & Sec: _______________ Roll No. ______ Date: 17.04.2020

निम्नलिखित गद्यांशो को पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. मानव-जाति ने आज तक प्रगति के अनेक सोपानों पर विजय प्राप्त की है। जो कार्य एक समय असंभव माने जाते थे, योग एवं विज्ञान के द्वारा उन्हें भी संभव कर दिया गया है। संपत्ति की लालसा ने हमारे दिलों को पत्थर बना दिया है। जीवन-मूल्यों का निरंतर ह्रास होता जा रहा है। हमारे स्पर्धात्मक जीवन के कारण हम मानसिक तनाव के शिकार हो गए हैं। इस मानसिक तनाव के दुष्परिणाम भी प्रकट होते जा रहे हैं। डायबिटीज, कैंसर तथा उच्च रक्तचाप ने तो घर-घर में अपना वास कर लिया है। मानव की शारीरिक बीमारियों या मानसिक यातनाओं का एकमात्र इलाज योग के पास है। योग से मनुष्य की मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक उन्नति भी होती है।

प्रश्न : (क) किसकी लालसा ने हमारे दिलों को पत्थर बना दिया है ?

(ख) हम क्यों, मानसिक तनाव के शिकार हो गए हैं ?

(ग) मानसिक तनाव के दुष्परिणाम से कौन-कौन से रोग हो सकते हैं ?

(घ) मनुष्य की मानसिक, शारीरिक तथा अध्यात्मिक उन्नति किसके द्वारा संभव है ?

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

छोटे-छोटे तिनके जब तक बिखरे रहते हैं, तब तक उनमें किसी प्रकार की शक्ति नहीं होती, पर यही तिनके जब आपस में मिल जाते हैं तो मजबूत रस्सी बन जाती है। उसमें हाथी को बाँधने की क्षमता आ जाती है। इस प्रकार मन की तमाम बिखरी शक्तियों को एक साथ बाँध लेने पर आप इस रस्सी से अपने जीवन की प्रत्येक आकांक्षा को अपना दास बना सकते हैं, अपने पास बाँधकर रख सकते हैं, यहीं मूलमंत्र अपने आप को पहचानने का है। किरणें एक बिंदु पर एकत्रित होती हैं तो आग लगा देती हैं-सारी समस्या ध्यान को एक बिंदु पर एकत्रित करने की है। अपना रास्ता स्वयं बनाएँ, अपना जीवन खुद सँवारें। किसी और के सहारे न चलें-आप कुछ भी हों, कुछ भी चाहें, आपको सब मिल सकता है-बशर्ते कि आप से जो कुछ कहा गया है, उस पर पूरी लगन और ईमानदारी से काम करें। आपकी सब इच्छाएँ पूरी होंगी।

प्रश्न : (क) तिनकों में शक्ति क्यों नहीं होती ?

(ख) तिनकों में हाथी को बाँधने की शक्ति कब आ जाती है ?

(ग) बिखरी शक्तियों को एकत्रित करने से क्या लाभ है ?

(घ) हम जो कुछ चाहते हैं, वह सब हमें कैसे प्राप्त हो सकता है ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।